# आत्म परिचय

**नाम** : डॉ. इश्वर शरण विश्वकर्मा

**पिता का नाम** : (स्व0) श्रीभूपति प्रसाद विश्वकर्मा

**जन्म तिथि** : 07.05.1958 (सात मई सन उन्नीस सौ अठावन)

**वर्तमान दायित्व** : कार्यकारी अध्यक्ष,अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नईदिल्ली

**पत्राचार पता** : प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, 18-ए, न्यायमार्ग, प्रयागराज (उ.प्र.)- 211001,

**दूरभाष** : 9935400244

**ईमेल-** : isvishwakarma@gmail.com

**जन्मस्थान** : ग्राम-केवला पुर कला, पोस्ट-दरहटा,जनपद-महराजगजं (उ.प्र.) 273303।

**राष्ट्रीयता** : भारतीय (भारतीय निर्वाचन पहचान पत्र संख्या DSR 3108123), आधार कार्ड सं0: 2659 3580 3050.

**पूर्वर्ती सेवायें :**

- **पूर्व अध्यक्ष,** उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग,18-ए, न्यायमार्ग, प्रयागराज (उ. प्र.)- 211001(07.02. 2018 से)।
- **आचार्य (प्रोफेसर),** प्राचीनइतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उ.प्र.)- 273009 (29.11.2006 से)।
- **सहायक प्राध्यापक (असिस्टेंट प्रोफेसर),** प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग प्राच्यनिकेतन (सेण्टर ऑफ एडवांस्डस्टडीज इन इण्डोलॉजी एण्ड म्यूजियोलॉजी), भोपाल, सम्बध बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, (07.08.1990 से 28.11.1998 तक)।

**शैक्षणिक विवरण:**

- डी.लिट् 1999, प्राचीन भारतीय इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, (शोध प्रबन्ध का विषय: भारतीय साहित्य तथा शिल्प में विश्वकर्मा।

- पी-एच.डी. 1982, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, (शोध प्रबन्ध का विषयः काशी का ऐतिहासिक भूगोल, आरम्भ से लेकर बारहवीं शताब्दी ई.तक)।
- परास्नातक (एम.ए.) 1978, प्रथमश्रेणी, 63.7 प्रतिशत, प्राचीनइ तिहास,गोरखपुर, विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- स्नातक (बी.ए.) 1976, द्वितीयश्रेणी, 57.5 प्रतिशत, संस्कृत, भूगोल,प्राचीन इतिहास, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- इण्टरमीडिएट 1974, द्वितीयश्रेणी, 55 प्रतिशत, हिन्दी, गणित,संस्कृत, भूगोल, अर्थशास्त्र, उ.प्र. माध्यमिक शिक्षा परिषद्, इलाहाबाद।
- हाईस्कूल 1972, प्रथमश्रेणी, 64.6 प्रतिशत, हिन्दी, गणित,संस्कृत, भूगोल, अर्थशास्त्र, उ. प्र. माध्यमिक शिक्षा परिषद्, इलाहाबाद।

**उच्चतर अकादमिक उपलब्धियाँः**

- अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवाआयोग, प्रयागराज।
- सदस्य, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ (2018-2021)।
- सदस्य, राजा राममोहन राय पुस्तकालय, प्रतिष्ठान, कोलकाता (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) 2017-2021तक।
- सदस्य, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् (ICHR), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, (अधिसूचना संख्या-F3-12/204 U3 दिनांक 24 फरवरी, 2015, तीन वर्ष के लिए) 2015-2018, 2019-2022 तक।
- यू.जी.सी. अन्तर्विश्वविद्यालयी केन्द्र एसोसिएट शिप, मानविकी एवं समाज विज्ञान, भारतीय उच्च अध्ययन केन्द्र, राष्ट्रपति निवास, शिमला1996-99,(प्रतिवर्ष में एकमाह)।

**विशेषज्ञता का क्षेत्रः** प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व, प्राचीन भारतीय कला एवं स्थापत्य, ऐतिहासिक भूगोल।

**शिक्षण अनुभवः स्नातक एवं परास्नातक-२८वर्ष**

- प्रवक्ता के रूप में (07.08.1990 से 28.11.1998)।
- उपाचार्य के रूप में (29.11.1998 से 29.11.2006)।
- आचार्यकेरूपमें (29.11.2006 सेनिरन्तर) ।

**ग्रन्थ प्रकाशन विवरणः**

- प्रकाशित शोध ग्रन्थ -03

- अध्याय लेखन -02
- सम्पादित ग्रन्थ-08
- सम्पादित शोध पत्रिकायें-02

**( संलग्नकसंख्या-१ )**

**प्रकाशित शोध-पत्र ७२ ( प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं तथा संगोष्ठी कार्यवृत्त में प्रकाशित )।**

**( संलग्नकसंख्या-२ )**

**पी.एच.डी. एवं पोस्ट डॉक्टोरल शोध निर्देशन विवरण:**

- पी.एच.डी. उपाधि प्राप्तशोध छात्र-10
- पी.एच.डी. शोध उपाधिहेतु पंजीकृतशोध छात्र-13
- पोस्ट डॉक्टोरल फेलो-01

**( संलग्नकसंख्या-३ )**

**अकादमिक उपलब्धियाँ:**

- इण्टरमीडिएट कक्षा में उ.प्र. सरकार की प्रवीण्य छात्रवृत्ति (जुलाई1972 से जून1974)।
- पी.एच.डी. शोध हेतु काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की अध्येयता (मार्च1979 से फरवरी 1981)।
- जोधपुर विश्वविद्याल, जोधपुर (राजस्थान) के समाज शास्त्र विभाग में यू.जी.सी.शोध सहायक (जनवरी1988 से अक्टूबर 1988 तक), वृहद शोध परियोजना का विषय-''एग्रेरियनस्ट्रक्चर, चेंज एण्ड पिजेण्ट मूवमेण्ट इन राजस्थान, (1920-1980),परियोजना निर्देशक-प्रो. शिव कुमार लाल, अध्यक्ष समाज शास्त्र विभाग, जोधपुर विश्वविद्यालय, जोधपुर इस परियोजना के अन्तर्गत बीकानेर, जोधपुर, अलवर, भरतपुर, जयपुर एवं नई दिल्ली के अभिलेखागारों में सामग्रियों का संकलन।

**उच्च अकादमिक संस्थाओं से सम्बद्धता:**

- सदस्य, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, भारत सरकार, नई दिल्ली (2015-2018, 2019-2022तक)।
- राष्ट्रीय महासचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली (25 दिसम्बर 2015 से 2018)।
- राष्ट्रीय सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली (2006 से 2015)।
- आजीवन सदस्य, सोसायटीऑफ साउथ एशियन आर्क्यालॉजी, पूणे।
- आजीवन सदस्य, इण्डियन आर्ट हिस्ट्री कांग्रेस, गुवाहाटी।
- आजीवन सदस्य, इण्डियन हिस्ट्री कांग्रेस, नई दिल्ली।

- आजीवन सदस्य, भारतीय पुरातत्व परिषद्, नई दिल्ली।
- न्यासी सदस्य, स्वामी प्रणवानन्द साहित्य न्यास, भोपाल।
- न्यासी सदस्य, संस्कृत भारती न्यास, गोरखपुर।
- न्यासी सदस्य एवं अध्यक्ष, विश्व संवाद न्यास,गोरखपुर।
- आजीवन सदस्य, बौद्ध अध्ययन परिषद्, जम्मू।

**राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन एवं प्रतिभागिता:**

- 16 राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन,
- 80 से अधिक राष्ट्रीय संगोष्ठियों तथा
- 04 अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रतिभागिता एवं शोध पत्रवाचन।

**( संलग्नक संख्या-४ )**

**यू.जी.सी. पुनश्चर्या कार्य क्रम में प्रतिभागिता एवं आयोजन:**

- प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा आयोजित पुनश्चर्यापाठ्य क्रम में प्रतिभागिता (04.01.1995 से 25.01.1995)।
- प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा आयोजित पुनश्चर्यापाठ्य क्रम में प्रतिभागिता (27.09.1995 से 17.10.1995)।
- समन्वयक, पंचम्पुनश्चर्यापाठ्यक्रम (20.11.2004 से 10.12.2004), यू.जी.सी.एकेडमिक स्टाफ कालेज एवं प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा आयोजित विषय-''पूर्व मध्यकालीन भारत में परिवर्तन की प्रक्रिया''।
- सह-समन्वयक, प्रथम अन्तरानुशासनिक पुनश्चर्यापाठ्य क्रम, इतिहास एवं सांस्कृतिक अध्ययन (05.09.2009 से 25.09.2009) यू.जी.सी. एकेडमिक स्टाफ कालेज एवं प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।

**यू.जी.सी. लघु शोध परियोजना:**

- विश्व विद्यालय अनुदान आयोग मध्य क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल द्वारा स्वीकृत लघु शोध परियोजना ''विश्व कर्माइन इण्डियन लिटरचेर एण्ड आर्ट'' (1996-1998)।
- दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल,गोरखपुर के यू. जी.सी.अनुभाग द्वारा स्वीकृत शोध परियोजना ''एक्रिटिकल स्टडी ऑफ प्लेसनेम्स ऑफ इन्डियशंस ऑफ नार्दर्न इण्डिया (ड्यूरिंग 11-12 वीं सेचुंरी ए.डी. )।

**पुरातात्विक उत्थान एवं संग्रहालय सम्बन्धी अनुभवः**

- ❖ प्राच्य निकेतन भोपाल द्वारा प्रो.आर.जी.पाण्डेय के निर्देशन में मध्य प्रदेश के देवास जिले के कोटरा नामक पुरास्थल के उत्खनन में सहयोग (1991 एवं 1992)।
- ❖ प्राच्य निकेतन भोपाल द्वारा प्रो.आर.जी.पाण्डेय के निर्देशन में मध्य प्रदेश के सिहोर जिले के नादनेर नामक पुरास्थल के उत्खनन में सहयोग (1993,1994,1995 एवं 1996)।
- ❖ संग्रहालय प्रभारी, आचार्य विश्वम्भर शरण पाठकस्मारक पुरातत्व संग्रहालय, प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर(2009 से निरन्तर)।

**शैक्षणिक प्रशासकीय कार्य :**

- ❖ विश्वविद्यालय समन्वयक, राष्ट्रीय उच्चतरशिक्षा अभियान (रूसा) दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (10 मार्च 2015 से निरन्तर)।
- ❖ अभिरक्षक (वार्डेन) गौतमबुद्ध छात्रावास, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (जुलाई 2013 से अगस्त 2016 तक)।
- ❖ अधीक्षक, संत कबीर छात्रावास, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (27.12.2005 से 30. 10.2008 )।
- ❖ सदस्य, विश्वविद्यालय कार्य परिषद् दिनदयाल उपपध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (2012-2013)।
- ❖ सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण, दीनदयाल उपपध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर(2004-2006)।
- ❖ सहायक नियन्ता, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (1999-2002)।
- ❖ सह समन्वयक, स्नातक सांध्यकक्षायें, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर(2005-2006)।
- ❖ सह समन्वयक, सनात्तकोत्तर सांध्यकक्षायें, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (2006-2007)।
- ❖ समन्वयक, विकलांग सुविधा प्रकोष्ठ, 12वीं पंचवर्षीय योजना, यू.जी.सी., दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (2011-2013)।
- ❖ समन्वयक, सनात्तकोत्तर प्रवेशसमिति, प्राचीनइतिहास, पुतत्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपपध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर(2008-2016)।

**विशिष्ट एवं उल्लेखनीय व्याख्यानः**

- ❖ तुलसीमानस प्रतिष्ठान, भोपाल द्वारा आयोजित डॉ.बलदेव प्रसाद मिश्र स्मृति व्याख्यान माला (12से 14 सितम्बर 2012) के अन्तर्गत ''भारतीय वाङ्मय में रामकथा'', विषय पर तीन विशिष्ट व्याख्यान।

- डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर पुरातत्व शोध संस्थान मध्य प्रदेश शासन, भोपाल द्वारा दिनांक 18-19 सितम्बर 2014 को आयोजित ''प्राचीन भारतीय प्रतिमा विज्ञान कार्यशाला'' में पाँच आमंत्रित व्याख्यान।
- भारतीय इतिहास संकलन समिति, बुलन्दशहर द्वारा खुर्जा में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''भारतीय इतिहास लेखन की प्रविधि'' विषय पर दिनांक 05 सितम्बर 2015 को मुख्य वक्ता के रूप में विशिष्ट व्याख्यान।
- भारतीय इतिहास संकलन समिति, उड़ीसा द्वारा दिनांक 24-25 अक्टूबर 2015 को भुवनेश्वर में आयोजित द्विदिवसीय कार्यशाला ''रिसर्चमेथडोलॉजी एण्ड हिस्टोरियोग्राफी'' में दो विशिष्ट व्याख्यान।
- प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, डॉ. हरि सिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय,सागर, मध्य प्रदेश द्वारा ''संस्कृतिप्रवाह'' के अन्तर्गत दिनांक 15.11.2016 को तीन अतिथि व्याख्यान-1. (भारतीय इतिहास लेखन: चुनौतियाँ एवं विविध आयाम), 2.(प्राचीन भारतीय इतिहास विद्या एवं इतिहास लेखन) एवं 3. (प्राचीन भारतीय इतिहास लेखन की चुनौतियाँ एवं नवीन आयाम)।
- प्रतिवर्ष गौतम बुद्ध, तीर्थंकर महावीर, स्वामी विवेकानन्द, दीनदयाल उपाध्याय, डॉ.भीम राव अम्बेड़कर आदि मनीषियों पर देश के विभिन्न संस्थाओं में व्याख्यान।

**अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिभागिता:**

- जर्मन एसोसिएशन ऑफ हिस्टोरियन्स एवं जर्मन एसोसिएशन ऑफ हिस्ट्री टीचर्स द्वारा दिनांक 20-30 सितम्बर 2016 को हम्बर्ग विश्वविद्यालय,जर्मनी में आयोजित 51वें सम्मेलन में भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, भारत सरकार की ओर से ''पारदेशीय इतिहास लेखन नामक विशेष सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभागिता एवं भारत का प्रतिनिधित्व''।

दिनांक: **( ईश्वर शरण विश्वकर्मा )**

स्थान:

**( संलग्नकसंख्या-०१ )**

**प्रकाशन विवरण:**

**काशित शोध ग्रन्थ: ०३**

- काशी का ऐतिहासिक भूगोल (प्रारम्भ से लेकर12वीं शताब्दी ई. तक), Historical Geography of Kashi,, रामानन्द विद्या भवन, नई दिल्ली 1987 प्रथम संस्करण (नेशनल ज्योग्राफिकल जर्नल ऑफ इण्डिया भाग 34, खण्ड 3, सितम्बर 1988, पृ. 267- 90 में प्रा. राणा, पी. बी. सिंह द्वारा समीक्षित (ISSN 0027-9374)।

- भारतीय साहित्य तथा शिल्प में विश्वकर्मा (बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की डी.लिट्. उपाधि हेतु स्वीकृत शोध प्रबन्ध), प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली (2002) (ISSN 81-7702-052-8)।
- राम कथा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, कला प्रकाशन, वाराणसी द्वारा प्रकाश्य 2016।

**सम्पादित ग्रन्थः ०७**

- बुन्देल खण्ड की संस्कृति, स्वामी प्रणवानन्द भारतीय साहित्य न्यास, भोपाल द्वारा प्रकाशित, 1997, अन्य सम्पादकः श्री महेन्द्र कुमार मानव एवं डा. अम्बा प्रसाद श्रीवास्तव।
- युगयुगीन ग्वालियर, सह सम्पादकः भारतीय इतिहास संकलन समिति मध्यभारत, भोपाल, 1997।
- युगयुगीन भोपाल, लेखक : डॉ. श्याम सुन्दर सक्सेना, भारतीय इतिहास संकलन समिति मध्यभारत, भोपाल, 2000।
- पूर्वांचलगौरव, विश्वसंवादकेन्द्र, गोरखपुर, 2002।
- काशी का ऐतिहासिक भूगोल एवं राजनीतिक इतिहास, काशी गौरव ग्रन्थ माला,भारतीय इतिहास संकलन समिति, वाराणसी, 2006।
- युगयुगीन सिहोर, लेखकः डॉ. श्याम सुन्दर सक्सेना, भारतीय इतिहास संकलन समिति मध्यभारत, भोपाल, 2009।
- भारतीयइ तिहास के स्रोत एवं इतिहास लेखन, (Sources of Indian History & Historiography)अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली तथा प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा आयोजित वरिष्ठ इतिहासकार राष्ट्रीय संगोष्ठी 15-16 अक्टूबर 2016, कुशीनगर में प्राप्त शोधपत्रों का पूर्व वृत्त, प्रधान सम्पादक (ISSN 978-93-82424-27-7)
- भारतीय संस्कृति में नारी, (Women in Indian Culture) अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के दशम राष्ट्रीयमहाधिवेशन, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, 24, 25, 26 दिसम्बर, 2015 के शोध पत्रों की प्रोसीडिंग), 2018, नईदिल्ली

**अध्याय लेखनः ०२**

- ग्वालियर एवं दतिया जिले के दुर्ग एवं गढियाँ, लेखकः डॉ. आनन्द मिश्र, आदित्य प्रकाशन, भोपाल, 2002 में ‘दुर्ग का अभिधान एवं विधान’’ परिशिष्ट लेखन,2. मध्य प्रदेश भोजमुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल के दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम में एम.ए. अन्तिम वर्ष, इतिहास पाठ्यक्रम में ईकाई-एक का लेखन (प्राचीन भारत में राजत्व सम्बन्धी विचारः राजतंत्र, कुल तंत्र एवं गणतंत्र), प्रश्न-पत्रशीर्षकः विचारों का इतिहास, सम्पादकः डॉ.बी.के. श्रीवास्तव, 2014.

**सन्दर्भित शोध पत्रिका का सम्पादनः ०२**

- संयुक्त सम्पादक, इतिहास दर्पण (अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना की अर्द्धवार्षिक शोध पत्रिका) अंक-14, 15, 16 एवं 17 (ISSN 0974-3065),सम्पादक: प्रा. ठाकुर प्रसाद वर्मा।
- कार्यकारी सम्पादक, इतिहास (भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, भारत सरकार नई दिल्ली की अर्द्धवार्षिक हिन्दी शोध पत्रिका), जून 2016 से निरन्तर, प्रधान सम्पादक: प्रो. सच्चिदानन्द सहाय (कम्बोडिया) एवं दिसम्बर, 2018 से प्रधान सम्पादक।

**( संलग्नकसंख्या-०२ )**

**प्रकाशित शोध-पत्र:**

- ''अयोध्या और पुरातात्विक उत्खनन'' (भारतीय इतिहास संकलन समिति पत्रिका अंक 1, 1982, पृ. 58-62, वाराणसी), सम्पादक: डॉ. ठाकुर प्रसाद वर्मा एवं उत्तरप्रदेश, जून 1984, लखनऊ।
- ''त्रिस्थली सेतु पर आधृत प्रयाग का पौराणिक भूगोल'' भारतीय इतिहास संकलन समिति पत्रिका,अंक 2, 1984, पृ. 127-132, वाराणसी) सम्पादक: डॉ. सिद्धेश्वरी नारायण राय, डॉ. ठाकुर प्रसाद वर्मा एवं अन्य।
- ''दूरियों की माप: योजनली कोस, फरसंग'' भारतीय इतिहास संकलन समिति पत्रिका, अंक 3, 1985, पृ. 228-234, वाराणसी, सम्पादक: प्रा.बी.एन. श्रीवास्तव एवं डॉ. ठाकुर प्रसाद वर्मा।
- ''वाराणसी की प्राचीन पथ-पद्धति'' भारतीय इतिहास संकलन समिति पत्रिका अंक, 4, 1986, वाराणसी, 'युग-युगों में काशी' (Varanasi Through the Ages)सम्पादक: प्रो.ठाकुर प्रसाद वर्मा, डॉ.जयशंकर मिश्र एवं डॉ. देवी प्रसाद सिंह।
- Historical Porspectives of Boundaries of Kasi भारतीय इतिहास संकलन समिति पत्रिकाए भाग-4,1986 ,पृ0 312-316, वाराणसी, सम्पादक: प्रो. ठाकुर प्रसाद वर्मा व अन्य।
- ''मल्ल जनपद का ऐतिहासिक भूगोल'' भारतीय इतिहास संकलन समिति पत्रिका,अंक 5, 1987 पृ0 19-26, वाराणसी, सम्पा: डॉ.ठाकुर प्रसाद वर्मा, डॉ. विजय बहादुर राव एवं डॉ. देवी प्रसाद सिंह।
- ''श्रीराम एवं श्रीकृष्ण के तुलनात्मक काल-विपर्यय की समस्या पर'' भारतीय इतिहास संकलन समिति पत्रिका, अंक 6, 1988 'युग-युगीन व्रज', पृ0 98-101, वाराणसी, सम्पादक: डॉ.ठाकुर प्रसाद वर्मा एवं अन्य।
- ''पंचाल भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में'' पंचाल: पंचाल शोध संस्थान कानपुर की शोध पत्रिका, अंक-3, 1988, पृ0 22-26, सम्पा: प्रो.के.डी.बाजपेयी।
- ''भारतीय इतिहास लेखन में काल की समस्या'' भारतीय इतिहास के अवरोधकतत्व, पृ0 75-86, सम्पादक: डॉ. भगवान सिंह एवं मोहनलाल श्रीवास्तव, रामानन्द भवन दिल्ली, 1991, जर्नल आफ गंगाराम झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद, जनवरी-दिस. 1944-95, पृ0 329-336, सम्पादक-गयाचरण त्रिपाठी एवं माया मालवीय।

- ''बुद्धनिर्वाण की सिंहली तिथि: एक भ्रान्त मान्यता'' प्राच्यप्रतिभा अंक IX, सं. 1-2, 1990-91 (भोपाल), पृ0 93-96, प्रधान सम्पादक: प्रो.के.डी.बाजपेयी)
- ''रतलाम क्षेत्र का ऐतिहासिक भूगोल'', Art, Archaeology and History of Ratlam, Eds: Dr. Ajit Raizada and others, Sharda Prakashan, Delhi, 1992,pp 169-174
- ''शाजापुर का ऐतिहासिक भूगोल'' Heritage of SAJAPUR, Chief Editor : Dr. Ajit Raizada Sharda Publishing House, Delhi,1992,pp 131-136
- 'रामायण में पुरातत्व : एक समीक्षा' श्रीरामविवकोश, भाग-एक, पृ0 52-59, 1992,सिद्धार्थ प्रकाशन, वाराणसी प्रधानसम्पा: डॉ. भगवती प्रसाद सिंह, सम्पा: डॉ. ठाकुर प्रसाद वर्मा)
- 'बुन्देलखण्ड का प्राचीन भौगोलिक परिवेश' बुन्देलखण्ड गौरव: The Glory thet was Bundelkhand प्रधान सम्पा: प्रो.के.डी.बाजपेयी, भोपाल, पृ. 213-221,ईस्टर्नबुक लिंकर्स, दिल्ली, 1993।
- ''भारतीय कालगणना एवं हर्ष संवत'' पंचाल, खण्ड 6, 1993, पृ. 75-80, सम्पा: ए.एल.श्रीवास्तव)
- Measurement of Distances in Ancient India" Heritage of India: Past and Present, Vol. pp-17-24, Essay in Honour of Prof. R.K. Sharma, Eds: P.K. Mishra & Dr. S.K. Sullerey, Agam Kala Prakashan, Delhi 1994
- ''मालव: अभिजन एवं Approaches to the Art & Aracology of Madhya Pradesh, Ed.I.M. Chahal, pp-89-95, Published by commissioner, Archaeology & Museums, Bhopal 1994.
- "An Enquiry into the Araeology of Ramayana" AYODHYA: History, Araeology and Tradition,pp 51-60,Ed,Prof. Lallan Ji Gopal, All India Kashi Raj Trust,Varanasi,1994.
- ''अवन्तिका ऐतिहासिक भूगोल'' प्राच्य प्रतिभा, अंक XVI 1994-95, पृ. 129-137, सम्पा: प्रो. सुस्मिता पांडे, भोपाल)।
- ''मध्यप्रदेश की अवधारणा तथा सीमा-विस्तार' भारतीय कला एंव संस्कृति, प्रधान सम्पा: प्रो. गोविन्द चन्द्र पाण्डे, पृ0 123-131, राका प्रकाशन, इलाहाबाद, 1995।
- 'गुप्त युगीन भारत एवं दक्षिण-पूर्व एशिया का सांस्कृतिक सम्बन्ध' (India's Cultural Relations with South –East Asia, Eds: M.Rao, Susmita Pande,B.M. Mishra pp-88-93, Sharada Publishing House,Delhi, 1996)
- ''खजुराहो केरति शिल्पकारहस्य'' चिति-वीथिका, इलाहाबाद संग्रहालय की शोध पत्रिका, भाग 2, अंक 1-2, 1996-97 ,पृ. 125-134, सम्पा: प्रो.गोविन्द चन्द्र पाण्डे)
- ''गुर्जर इतिहास एवं संस्कृकत'' गुर्जरलहर, (भोपाल), अंक-1, 1997, पृ0 3-16,प्रधान सम्पा.: अशोक गुर्जर।
- ''बुन्देलखण्ड की प्राचीन भौगोलिक संस्कृति'' बुन्देलखण्ड की संस्कृति, सम्पा.: महेन्द्र कुमार मानव, अम्बा प्रसाद श्रीवास्तव एवं डॉ.ईश्वर शरण विश्वकर्मा, स्वामी प्रणवानन्द भारतीय साहित्य न्यास, भोपाल, 1997 पृ. 6-13.
- ''ग्वालियर क्षेत्र की सांस्कृतिक समृद्धि में नाग शासकों का योगदान', युगयुगीन ग्वालियर, प्रधानसम्पा: मोहन कुमार माथुर, भारतीय इतिहास संकलन समिति, मध्य भारत, भोपाल, 1997, पृ. 17-21.)

- ‘हूण संदर्भो के विश्लेषण के आधार पर कालिदास का युग-निर्धारण’ कालिदास और उनका युग, सम्पा: गोविन्दचन्द्र पाण्डे, राका प्रकाशन इलाहाबाद, पृ. 21-27, 1998.
- ‘विश्वकर्मा एवं भारतीय वास्तु विद्या’ Prachya Pratibha Vol,XIX, 1997-98 pp 171-180,Bhopal Editor: Susmita Pande.
- ‘दुर्ग का अभिधान एवं विधान, ग्वालियर एवं दतिया जिले की दुर्ग एवं गढ़ियॉ, लेखक: डॉ.आनन्द मिश्र, परिशिष्ट-एक, पृ. 156-163, आदित्य प्रकाशन, भोपाल, 2002।
- ‘भारतीय उत्सव: अवधारणा’, उत्सव मेरे प्राण, सम्पा.: अनिल सौमित्र, विश्व संवाद केन्द्र, भोपाल, पृ. 223-231, 2002।
- ‘पूर्वान्चल की चिन्तन परम्परा’, पूर्वान्चल गौरव, सम्पा: डॉ. ईश्वर शरण विश्वकर्मा, पृ. 17-20, 2002, विश्व संवाद केन्द्र पत्रिका, गोरखपुर।
- ‘‘भारतीय वास्तु-विद्या की मय परम्परा’’, कला वैभव, अंक 12 (2002-03), पृ057-60, इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ तथा पुरातत्व, संस्कृति एवं संग्रहालय निदेशालय छत्तीसगढ़ की शोध पत्रिका, सम्पा: डॉ. कृष्ण कुमार त्रिपाठी एवं अन्य।
- ‘शिल्प विद्या में सिद्धि और मोक्ष’, कला वैभव अंक 13-14 (2002-03), पृ0 81-83, सम्पा: डॉ. कृष्ण कुमार त्रिपाठी एवं अन्य, खैरागढ़, छत्तीसगढ़।
- ‘‘दशावतारों की मूर्तियाँ एवं मंदिर’’, तुलसी मानस भारती, जनवरी 2004 (अवतार अंक), पृ0 107-114, भोपाल, सम्पा.: अम्बा प्रसाद श्रीवास्तव।
- ‘‘पानगुडरिया के मौर्य एवं शुंगकालीन अभिलेख: एक ऐतिहासिक विश्लेषण’’, आभिलेखिक अध्ययन की प्रविधि एवं इतिहास लेखन, सम्पा: प्रो. सीताराम दुबे,पृ. 118-127, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली ISSN 071-7702- 079), 2004।
- ‘‘ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में सीता’’, तुलसी मानस भारती, अप्रैल, 2005, पृ0 2-8 (भोपाल) सम्पा: अम्बा प्रसाद श्रीवास्तव।
- ‘‘छत्तीसगढ़ के प्राचीन इतिहास एवं कला-संस्कृति में नागतत्व’’, कलावैभव, अंक 15 (2005-06), पृ0 248-251 (खैरागढ), प्रधानसम्पा: डॉ.कृष्ण कुमार त्रिपाठी।
- ‘‘वैदिक संस्कृति की संरचना एवं सातत्य में भरत-जनका योगदान’’, वैदिक संस्कृति और उसका सातत्य, सम्पा: प्रो.सीताराम दुबे, पृ. 90-102, (ISSN 81-11021044) 2006. प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली।
- ‘‘ऋषियों का ऐतिहासिक एवं सस्कृतिक अवदान’’, तुलसीमानस भारती, भोपाल, अंक जनवरी 2006, विशेशांक-रामकथा के ऋषि, पृ. 12-20, सम्पा: अम्बा प्रसाद श्रीवास्तव।
- ‘‘विश्वकर्मा और त्वष्टा’’, भारतीय संस्कृति इतिहास एवं पुरत्व, (प्रो.यू.एन.राय अभिनन्दन ग्रन्थ, सम्पा: चितरजंन प्रसाद सिन्हा, पृ. 85-88, वी.आर.पब्लिशिंग कार्पोरेशन, दिल्ली, 2006, (ISSN 81-7646-379-5)

- ‘वैदिक एवं श्रमण संस्कृति में इक्ष्वांकु परम्परा’ SUMATI-JNANA, Prespectives of Jainism (A Commemoration Volume) Chief Ed. Dr. Nagatajaiah Hampa, Ed. S.K. Dwivedi (Gwalior). Acharya Shanti Sagar Chhani Smriti Granthamala, Muzaffar Nagar,2007,pp 299-306, ISBN 978-81-904688-3-1) .
- ‘‘यज्ञ आधारित वैदिक विचारों का सास्कृतिक गतिशीलता में योगदान’’, विचारों का इतिहास, History of Ideas, सम्पा: डॉ.बी.के.श्रीवास्तव, पृ. 1-9, साहित्यभवन, आगरा, 2007(ISSN 81-7618-346-6)
- ‘इक्ष्वांकु वंश और श्रीराम’, तुलसी मानस भारती, रामांक, भोपाल, जनवरी 2008, पृ0 7-23, प्रधानसम्पा: एन. एल.खण्डेलवाल।
- ‘वैदिक भरतजन और भारतीय इतिहास लेखन’, अमृत पत्रिका, डॉ.एच.ए. फड़के अभिनन्दन ग्रंथ, नासिक, पृ. 174-183, 2008, इतिहास दर्शन, अंक-26, 2007, पृ. 25-32।
- ‘वैदिक इक्ष्वाकुजन: अभिजन एवं ऐतिहासिक परम्परा’, इतिहास दर्पण, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली की शोधपत्रिका, अंक 13, (1) 2008, पृ. 21-26, सम्पा: डॉ.ठाकुर प्रसाद वर्मा, संयुक्त सम्पादक-डॉ. ईश्वर शरण विश्वकर्मा।
- ‘भारतीय ऋषि-परम्परा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य’, इतिहास दर्पण, अंक-13 (2), 2008 पृ.18-23, सम्पादक-डॉ.ठाकुर प्रसाद वर्मा, संयुक्त सम्पादक-डॉ.ईश्वर शरण विश्वकर्मा, (ISSN 0974-3065)।
- ‘‘राष्ट्र: अर्थ,अवधारणा एवं उसके घटक’’, राष्ट्रगौरव, पर्यावरण एवं मानवाधिकार अध्ययन, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का स्नातक पाठ्यक्रम, पृ. 1-6, प्रधानसम्पा: डॉ. सुरेन्द्र दुबे, नीलकमल प्रकाशन, गोरखपुर, 2009।
- ‘‘भारतीय संस्कृति: अवधारणा एवं स्वरूप’’ राष्ट्रगौरव, पर्यावरण एवं मानवाधिकार अध्ययन, पृ. 41-50, 2009।
- ‘भारतीय अंक पद्धति: वैदिक गणित एवं ज्यामिति’, राष्ट्रगौरव, पर्यावरण एवं मानवाधिकार अध्ययन, पृ. 82-93, 2009।
- ‘प्राचीन भारत में विज्ञान: धातुविज्ञान, रसायन विज्ञान, चिकित्सा, विज्ञान, खगोल एवं ज्योतिश (राष्ट्रगौरव, पर्यावरण एवं मानवाधिकार अध्ययन, प.94-105, 2009।
- ‘‘श्रीराम की अजेय एवं यज्ञीय अयोध्या: ऐतिहासिक यथार्थ’’, तुलसी मानस भारती,भोपाल, फरवरी 2008, रामकथा स्थल विशेशांक, पृ. 18-24, प्रधानसम्पा: एन.एल.खण्डेलवाल।
- ‘वैष्णव धर्म और पर्यावरण’, धर्म और पर्यावरण भाग-तीन सम्पा: डॉ. किशना रामविश्नोई (हिसार), पृ. 314-340, दया पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2009(ISSN 81-7035-5982)
- ‘‘राजस्थान के पुराभिलेखों में वैदिक ऋषिपरम्परा: एक ऐतिहासिक विश्लेषण’’, इतिहास दर्पण, नंइ दिल्ली, अंक-14 (1), 2009, पृ0 84-87, (ISSN 0974-3065)सम्पा: डॉ.टी.पी.वर्मा, संयुक्त सम्पादक, डॉ. ईश्वर शरण विश्वकर्मा।

- ‘जैन इक्ष्वाकु परम्परा’, इतिहास दर्पण, नई दिल्ली, अंक 14 (2), पृ. 43-48, 2009, (ISSN 0974-3065), सम्पा: टी.पी.वर्मा.संयुक्त सम्पादक, डॉ. ईश्वर शरण विश्वकर्मा।
- ‘कोसल का ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक वैशिश्ट्य’, साक्षी-अयोध्या शोध संस्थान, फैजाबाद उ.प्र.शासन की शोधपत्रिका, 2009, पृ. 1-16. सम्पा: डॉ.ठाकुर प्रसाद वर्मा, सहसम्पा: डॉ.ईश्वर शरण विश्वकर्मा।
- ‘शिल्पशास्त्रों में विश्वकर्मा की शिल्पाचार्य परम्परा, शिल्पियों का गौरवशाली इतिहास ‘ The Glorious History of Artisans,डा. रामकुमार अहिरवार, आर.बी.एस.ए.पब्लिशर्स, जयपुर, पृ. 43-59, 2010,(ISSN 978-81-7611-511-7)
- ‘प्राचीन भारत में कुलतन्त्र एवं गणतन्त्र: चिन्तन एवं स्वरूप, विचारों का इतिहास (History of Thought)सम्पादक, डा.बी.के.श्रीवास्तव, एस.बी.पी.डी. पब्लिकेशन, आगरा, 2010, पृ. 1-7।
- यज्ञ आधारित वैदिक विचारों का सांस्कृतिक गतिशीलता में योगदान, वेद-विद्या, ‘An Intemational Refereed Research Journal) Vol. XVII. Jan-June 2011,pp 66-78 महर्षि सांदीपनी राष्ट्रीय वेद-विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (ISSN 2230-8962).
- ‘भारतीय ऋषि परम्परा का ऐतिहासिक महत्व’, आध्यात्मिक पर्यावरण की मीमांसा, सम्पादक डा.किशनाराम विश्नोई एवं प्रो. नरसीराम विश्नोई, अरिहन्त प्रकाशन, दिल्ली 2011, पृ. 141-151।
- ‘राम का लोकाभिरामत्व एवं लोकप्रवाह’, तुलसीमानस भारती, जनवरी 2011, पृ. 21-26, विशेषांक सम्पादक एन.एल.खण्डेलवाल, तुलसीमानस प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश, भोपाल।
- ‘आनन्द रामायण: परिचय, प्ररचना एवं प्रभाव’, तुलसीमानस भारती, जनवरी 2012, पृ. 32-42, विशेषांक सम्पादक एन.एल.खण्डेलवाल, तुलसीमानस प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश, भोपाल।
- ‘गुप्तकालीन इतिहास के जैन पुराभिलेखीय स्रोत: एक विश्लेषण, भारती इतिहास के जैन स्रोत’, सम्पादक डा. महावीर प्रसाद जैन एवं डा. शांति कुमार शर्मा, भारतीय इतिहास संकलन समिति, चितोड़, उदयपुर, 2012, पृ. 90-95।
- ‘पुराणों में ऐलवंश: ऐतिहासिक परम्परा एवं भौगोलिक क्षेत्र पर नवीन प्रकाश, स्टडीज इन पुराणाज’, सम्पादक डा. आनन्द शंकर सिंह, ईश्वर शरण डिग्री कालेज, इलाहाबाद, 2012, पृ. 62-72।
- राम कथा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, तुलसी मानस भारती (तुलसी मानस प्रतिष्ठान, मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रकाशित) विशेषांक जनवरी 2013, वर्ष 23, अंक 4-5, पृ.9-33, भोपाल, प्रधान सम्पादक: एन.एल. खण्डेलवाल।
- रामचरित मानस का सामाजिक-धार्मिक एवं आध्यात्मिक पक्ष (तुलसी मानस प्रतिष्ठान, मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रकाशित) विशेषांक जनवरी 2013, वर्ष 23, अंक 4-5, पृ. 34-61, भोपाल, प्रधान सम्पादक: एन.एल. खण्डेलवाल।
- रामचरित मानस में नीति एवं रामराज्य की धारणा (तुलसी मानस प्रतिष्ठान, मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रकाशित) विशेषांक जनवरी 2013, वर्ष 23, अंक 4-5, पृ.62-69, भोपाल, प्रधान सम्पादक: एन.एल.खण्डेलवाल।

- गोरखपुरः इतिहास एवं संस्कृति, उत्तर प्रदेश विज्ञान कांग्रेस स्मारिका, दीनदयाल उपपध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, मार्च 2-4, 2013, पृ. 3-9 सम्पादकः प्रो.ए.ए.अंसारी।
- शैव धर्म और पर्यावरण ICON (जर्नल ऑफ आर्कयालॉजी एण्ड कल्चर) अंक-1, पृ. 17-30, 2014 (ISBN: 978-81-7702-36022347.7032 (सम्पादकः अमियचन्द्र, जे.एन.पाल एवं बृजेश रावत, रिसर्च इण्डिया प्रेस, न्यूदेलही 2014।
- पुराभिलेखों में इक्ष्वांकु परम्परा एवं संस्कृति, हिस्टोरिकल ट्रेडिशन एण्ड कल्चर इन एशिएन्ट इण्डियन इन्स्क्रिप्शंस, सम्पादकः विपुला दूबे एवं राजवन्त राव, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली 2015, पृ. 42-47 ;( ISBN 978-81-7702-360-2)
- आचार्य कौटिल्य का भैषज्य चिंतन एवं प्रयोग, भिषक-चिन्तामणि (कविराज आत्मा राम दूबे अभिनन्दन ग्रन्थ), भारतीय आयुर्वेद विकास परिषद् गोरखपुर, पृ. 434-439, प्रधान सम्पादकः प्रो.लालजी त्रिपाठी, 2015, प्रकाशकः सुभांजलि प्रकाशन, कानपुर (ISSN 978-93-83538-13-3)
- बुद्ध एण्ड द सिस्टम ऑफ बृद्धिस्ट मेडिटेशन, इतिहास दर्पण, अंक 21 (2) विजया दशमी, पृ. 168-171, नई दिल्ली, प्रधान सम्पादकः प्रो. सतीशचन्द्र मित्तल।

**( संलग्नकसंख्या-३ )**

**पी-एच.डी.एवं पोस्ट डॉक्टोरल शोध निर्देशन विवरण**

**पी-एच.डी. शोध उपाधि प्राप्त शोध अध्येयताः १०**

- डॉ.महेन्द्र कुमार, 2003, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल (प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालयीन शिक्षा की वित्तीय व्यवस्था)
- डॉ.मनीष झा, 2005, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल (मालवा क्षेत्र के जैन शिल्प का समाजार्थिक एवं धार्मिक अध्ययन)
- डॉ.राम कृपाल निषाद, 2006, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर (प्राचीन भारतीय स्तम्भ कला)
- डॉ.सपना जायसवाल, 2006, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर (राजशेखरकी कृतियों का ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक अनुशीलन)
- डॉ.कमलेश कुमार चौधरी, 2006, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर (मध्य देशीय कला परम्परा का सामाजिक और आर्थिक अध्ययनः ईसा पूर्व 600 से ईस्वी 600)
- डॉ.ज्ञान प्रकाश राय, 2008, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर (प्राचीन इक्ष्वाकु वंशः ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक अध्ययन)

- ❖ डॉ.इन्दुधर मिश्र, 2013, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर (प्रतिहार कालीन मन्दिरों का ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन)।
- ❖ डॉ.रुचि श्रीवास्तव, 2013, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर (प्राचीन भारत में शिल्प शिक्षा का विकास)
- ❖ डॉ.प्रवीण कुमार शर्मा, 2015, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर (रिलीजियो -कल्चरल कान्सेप्ट ऑफ एन्शियन्ट इण्डियन टेम्पुल्स)
- ❖ श्री मिथिलेश कुमार तिवारी, 2016, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर (परमारों का इतिहास: आभिलेखिक साक्ष्यों के आधार पर), उपाधि हेतु शोध प्रबन्ध जमा, दिसम्बर 2015।

**पी-एच.डी.शोध उपाधि हेतु पंजीकृत शोध अध्येयता: ०९**

- ❖ श्री लोकेन्द्र यादव, (मध्य कालीन भारतीय कला में नृत्य एवं संगीत) दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर, 16 मार्च 2009.
- ❖ श्री विजय कुमार, (मौर्य -शुंग युगीन भारतीय मृण्मय कला-एक अध्ययन), दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर, 03 मार्च 2011.
- ❖ श्रीमती नमिता श्रीवास्तव, (नागर शैली के मन्दिरों का वास्तु शास्त्रीय अध्ययन), दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर, 11मार्च 2011.
- ❖ श्री आशुतोष त्रिपाठी, (नागर शैली के मन्दिरों पर अलंकरण विधान), दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर, 06 सितम्बर 2013.
- ❖ श्री हिमांशु तिवारी, (भारत-तिब्बत सांस्कृतिक सम्बन्ध-एक ऐतिहासिक अध्ययन), दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर, 06 सितम्बर 2013.
- ❖ श्री अभय प्रताप सिंह, (भारत में शिल्पी समाज: एक ऐतिहासिक अध्ययन-700 ई.से1200 ई.तक), दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर, 07 सितम्बर 2013.
- ❖ श्री बृजेश यादव, (भारत का वैदेशिक सम्बन्ध: 700 ई. से 1200 ई.तक), दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर, 23 सितम्बर 2013.
- ❖ श्री परमानन्द, (संवत्प्रवर्तक विक्रमादित्य की ऐतिहासिकता), दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर, 25 सितम्बर 2013.
- ❖ श्री अजीत कुमार, (भारतीय साहित्य एवं कला में ब्रह्मा), दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर, जुलाई 2014.
- ❖ श्री रणविजय सिंह, (प्राचीन भारत में नाग वंश: ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन), दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर, जुलाई 2016.

- श्री ग्रिजेश कुमार, (भारतीय साहित्य एवं कला में गंगा), दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर, जुलाई 2016.
- श्री जितेन्द्र कुमार पाल, (उ.प्र.के प्राचीन मृदभाण्ड परम्परा-एक अध्ययन), दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर, जुलाई 2016.
- श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, (उत्तर भारत में सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन प्रक्रिया 300 ई.पू.से300 ई.तक), दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर,जुलाई 2016.

**पोस्ट डॉक्टोरल फेलोः ०१**

- डॉ. (श्रीमती) अमिता अग्रवाल, डॉ. राधा कृष्णन पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप के अन्तर्गत, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत (नवम्बर 2015 सेशोधरत)।

**(संलग्नकसंख्या-०४)**

**राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन एवं प्रतिभागिता**

**(अ) संगोष्ठियों का आयोजनः**

- संयोजक, राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''भारतीय संस्कृति में श्रीराम'', भारतीय संस्कृति शोध अकादमी, वाराणसी द्वारा आयोजित, 12-14 नवम्बर 1983, तुलसी स्मारक भवन,अयोध्या।
- संयोजक, राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''भारतीय इतिहास लेखन के अवरोधक तत्व'', 23-24 सितम्बर1989, कांस्टीट्यूशन क्लब, नई दिल्ली, इतिहास परिषद्, भारतीय साहित्कार संघ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित।
- संयोजक, राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं स्थानीय सचिव, ''चतुर्थ राष्ट्रीय अधिवेशन'', अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली, 01-03 नवम्बर1996, शारदा बिहार, भोपाल।
- संयोजक, राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''शिक्षा में सुधार'', 24-25 फरवरी 2001, आयुक्त सभागार, गोरखपुर, संस्कृति विभाग उ.प्र. शासन एवं लोक भारती, लखनऊ द्वारा आयोजित।
- संयोजक, राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''विकास की अवधारणा'', 27-28 अक्टूबर 2001, आयुक्त सभागार, गोरखपुर, संस्कृति विभाग उ.प्र. शासन एवं लोक भारती,लखनऊ द्वारा आयोजित।
- संयोजक, सप्तम राष्ट्रीय अधिवेशन, ''भारतीय संस्कृति की जीवन-धारा सरस्वती एवं 1857 का स्वातंत्र्यसमर'', कुरूक्षेत्र, 13-19 नवम्बर 2006, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली।
- सह-संयोजक, राष्ट्रीय संगोष्ठी, अष्टमअधिवेशन, ''हिन्दुत्व एवं राष्ट्रीयता'', 30-31अक्टूबर, 01नवम्बर।
- सह-संयोजक, राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''आर्कलॉजिकल ग्लोरी ऑफ ईस्टर्न उत्तर प्रदेश 19-20 फरवरी 2010, प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर।

- सह-संयोजक, राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''सोशियो इकोनॉमिक परस्पेक्टिव ऑफ बुद्धिज्म'', 17-18 फरवरी, 2011, प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर।
- सह-संयोजक राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''नारी: अतीत से वर्तमान तक'', 25-26 नवम्बर 2013, प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्याल, गोरखपुर।
- संयोजक, राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं दशम राष्ट्रीय अधिवेशन, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली, ''भारतीय संस्कृति में नारी: अतीत से वर्तमान तक'', मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, 24, 25, 26 दिसम्बर 2015.
- अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के महासचिव के रूप में, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में युवा इतिहासकार संगोष्ठी (19-20 मार्च 2016), काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में राष्ट्रीय महिला इतिहासकार संगोष्ठी (20-21अगस्त2016) एवं वरिष्ठ इतिहासकार राष्ट्रीय संगोष्ठी,(15-16 अक्टबूर 2016) के आयोजन में योगदान।
- अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, एकादश राष्ट्रीय महाधिवेशन (23-25 दिसम्बर, 2018), गुवाहाटी (असम)।

**(ब) संगोष्ठियों में प्रतिभागिता एवं शोध पत्र वाचन-**

- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''युगयुगीन अयोध्या'', 3-4 अगस्त, 1982, अयोध्या, भारतीय इतिहास संकलन समिति, उत्तर प्रदेश, वाराणसी द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''युगयुगीन प्रयाग'', 24-25 जुलाई 1983, केन्द्रीय गगांनाथ झा शोधसंस्थान, इलाहाबाद।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''युगयुगीन काशी'', 2-4 अगस्त 1984, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी तथा भारतीय इतिहास संकलन समिति, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित
- भारतीय मुद्रापरिषद् का वार्षिक अधिवेशन, धारवाड़ 1984.
- भारतीय मुद्रापरिषद् का वार्षिक अधिवेशन, मद्रास 1986.
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''युगयुगीन अहिछत्र'', 09-10 अक्टूबर 1986, पंचाल शोध संस्थान कानपुर।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''युगयुगीन पांचाल'', 25 जुलाई 1989, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली तथा पांचाल शोध संस्थान द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''भारतीय इतिहास के अवरोधक तत्व'', 24-25 सितम्बर 1989, इतिहास परिषद् भारतीय साहित्यकार संघ नई दिल्ली द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''शाजापुर का पुरातात्विक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर'', शाजापुर, (मध्य प्रदेश), आयुक्तराज्य पुरातत्व संग्रहालय, भोपाल एवं जिला पुरातत्व संघ, शाजापुर द्वारा आयोजित, 02-03अक्टूबर 1990.

- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''रतलाम जिले का पुरातात्विक, ऐतिहासिक एवं सास्कृतिक धरोहर'', रतलाम, (मध्य प्रदेश), आयुक्तराज्य पुरातत्व संग्रहालय, भोपाल एवं जिला पुरातत्वसंघ, रतलाम द्वारा आयोजित, 25-26 अक्टूबर 1991.
- भारतीय पुरातत्व परिषद्, की राष्ट्रीय संगोष्ठी, 16-18दिसम्बर1991, भोपाल।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं प्रथम अधिवेशन, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, 26-27 दिसम्बर 1991, उज्जैन।
- अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''प्राब्लम्स ऑफ डाक्युमेंटेशन प्रजेंटेशन एण्ड पापुलराइजेशन ऑफ राक आर्ट'', 07-08 सितम्बर 1992, राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''न्यू एप्रोचेज टू दि आर्ट एण्ड आर्क्यालॉजी ऑफ सेंट्रनल इण्डिया'', 09-10जनवरी, 1993, प्रशासन अकादमी, भोपाल, आयुक्त पुरातत्व एवं संग्रहालय मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित.
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''युगयुगीन ग्वालियर'', 02-03 मार्च 1993, इतिहास विभाग,शासकीय सनकोत्तर महाविद्यालय, डबरा, (ग्वालियर) द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''सांस्कृतिक एकता'', 14-16 मार्च, 1993, गाँधीशान्ति प्रतिष्ठान, राष्ट्रीय संग्रहालय एवं ऋषभ देव प्रतिष्ठान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''मध्यप्रदेश की कला एवं संस्कृति (300-100ई.), 22-24 मार्च 1993, इलाहाबाद राष्ट्रीय संग्रहालय, इलाहाबाद द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, पांचाल शोध संस्थान, कानपुर, 27-28मार्च, 1993, कानपुर।
- तृतीय राष्ट्रीय अधिवेशन, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, 17-19 अक्टूबर1993, उदय प्रताप महाविद्यालय, वाराणसी।
- अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''सिम्बालिज्म इन बुद्धिस्ट आर्ट एण्ड लिटरेचर'', 27-29 दिसम्बर 1994, प्रशासन अकादमी, भोपाल में प्राच्यनिकेतन, भोपाल द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''आर्क्यालॉजिकल एण्ड कल्चरल ग्लोरी ऑफ ईस्टर्न उत्तर प्रदेश'', 24-25 जनवरी, 1995, प्राचीन इतिहास, पंरातत्व एवं संस्कृति विभाग,दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''कालिदास की तिथि एवं जन्म स्थान का निर्धारण'', 25-26 फरवरी, 1995, संस्कृति विभाग, शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''प्राचीन भारतीय व्यापार'', 21-23 मार्च 1995, इलाहाबाद संग्रहालय, इलाहाबाद द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''स्टेगनेशन एण्ड चेंज इन इण्डियन सोसायटी'', 24-25 मार्च,1995, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्याल, इलाहाबाद द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''पावा की सांस्कृतिक धरोहर'' उत्तर प्रदेश शासन द्वारा आयोजित, 08-09 अप्रैल1996, पड़रौना, उत्तर प्रदेश।

- चतुर्थ राष्ट्रीय अधिवेशन, ''अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना'', 01-03नवम्बर, 1996, शारदा विहार, भोपाल में आयोजित।
- वार्षिक अधिवेशन, ''भारतीय पुरातत्व परिषद्'', नई दिल्ली, 25-26 नवम्बर 1996।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''इतिहास लेखन की अवधारणा: स्रोत और दिशा'', अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली द्वारा मुम्बई में आयोजित, 30-31,जनरवरी, 01फरवरी,1998।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''भारतीय इतिहास लेखन'', 14-15 अक्टूबर, 2001, इतिहास विभाग, शासकीय महाविद्यालय, डबरा, ग्वालियर।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''मूल्य आधारित उच्च शिक्षा'', 23-25 फरवरी, 2002, पं. मदन मोहन मालवीय शोध पीठ, शिक्षा विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''बुद्ध, कौटिल्य और शंकराचार्य की तिथि'', 19-20 अक्टबूर,2002, मुम्बई, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना एवं भारतीय इतिहास संकलन, मुम्बई द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, दुर्ग एवं गढ़ियाँ, 16-17 नवम्बर, 2002, इतिहास विभाग,शासकीय महाविद्यालय, डबरा, ग्वालियर द्वारा आयोजित।
- वार्षिक अधिवेशन, ''इण्डियन हिष्ट्री कांग्रेस'', 28, 29, 30 दिसम्बर, 2002, मध्य प्रदेश भोजमुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय अधिवेशन, ''अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना'', 31जनवरी एवं 01फरवरी, 2003, रेशमबाग, नागपुर।
- राष्ट्रीय शैक्षिक संगोष्ठी, 15-16 फरवरी, 2003, विद्याभारती, मध्य प्रदेश द्वारा भोपाल में आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''वैदिक संस्कृति एवं उसका सातत्य'', 25-27 मार्च, 2003,प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''भारतीय इतिहास लेखन'', 19 दिसम्बर, 2003, इतिहास परिषद्, जगदम कालेज, छपरा, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''भारत की विज्ञान परम्परा'', 25-26फरवरी, 2004, प्राचीन इतिहास विभाग, हीरालाल रामनिवास पी.जी.कालेज, खलीलाबाद, संत कबीर नगर द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''विचारों का इतिहास'', 28-29 जनवरी, 2005, इतिहास विभाग,डॉ. हरिसिंहगौर विश्वविद्यालय, सागर द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''छत्तीसहगढ़ की प्राचीन कला सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक लेखन'', 27-28 जनवरी, 2005, भारतीय इतिहास कला एवं संस्कृति विभाग, इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ तथा निदेशालय, संस्कृति एवं पुरतत्व विभाग, छत्तीसगढ द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''बौद्ध परिपथ के बौद्ध धरोहर'', 18-19 फरवरी, 2005, प्राचीन इतिहास विभाग, हीरालाल रामनिवास पी.जी. कालेज, खलीलाबाद, संत कबीर नगर द्वारा आयोजित।

- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''वैदिक वांङ्मय की ऐतिहासिक व्याख्या पद्धति'', 05-07 जुलाई 2005, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''वैदिक एवं श्रमण परम्परा में परस्पर आदान-प्रदान'', 26-28 फरवरी, 2006, पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी, तथा महर्षि सांदीपनि वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''बौद्ध संस्कृति साहित्य एवं समाज'', 07-09 मार्च, 2006,नागार्जुन प्रतिष्ठान, गोरखपुर तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''विक्रमादित्य एवं उनकी परम्परा'', 28-30 मार्च 2006, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला, विक्रम विश्वविद्यालय,उज्जैन द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''युग युगीन श्रीपुष्कर तीर्थ एवं राजस्थान की संत परम्परा'',22-23 जुलाई, 2006, भारतीय इतिहास संकलन समिति, चितौड द्वारा पुष्कर में आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''हिन्दुत्व एवं राष्ट्रीयता'',11-12 नवम्बर, 2006, प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय,गोरखपुर द्वारा आयोजित।
- सप्तम राष्ट्रीय अधिवेशन, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, 17,18,19 नवम्बर 2006, कुरुक्षेत्र, ''सरस्वती एवं 1857 का संघर्ष''।
- विश्व वैदिक सम्मेलन, 13-17 जनवरी, 2007, उज्जैन, महर्षि सांदीपनि, वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''भारतीय इतिहास के जैन स्रोत'', 01-03अक्टूबर, 2007,उदयपुर, भारतीय इतिहास संकलन समिति, चीतौड़ तथा आचार्य महाप्रज्ञचातुरमास समिति, उदयपुर द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''जैनोलॉजी थ्रूएजेज'', 14-15 दिसम्बर 2007, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय,जबलपुर द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''होशंगाबाद में पर्यटन की सम्भावना एवं सांस्कृतिक पुरासम्पदा'', 05-06 सितम्बर, 2008, इतिहास विभाग, शासकीय नर्वदा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, होशंगाबाद द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''एंशिएन्ट इण्डियन आर्ट एण्ड सोशलरियलिटी'', 06-07 नवम्बर, 2009, उज्जैन, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा आयोजित।
- आठवाँ राष्ट्रीय अधिवेशन, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, 30-31अक्टूबर, 01नवम्बर, 2009, ''कला, लोक-परम्परा एवं संस्कृति'', प्राचीन इतिहास,पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''द आर्क्यालॉजिकल ग्लोरी ऑफ ईस्टर्न उत्तर प्रदेश'', 19- 20 फरवरी, 2010, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''बौद्ध धर्म का सामाजिक एवं आर्थिक परिप्रेक्ष्य'', 17-18फरवरी, 2011, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा आयोजित।

- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''आर. सामशास्त्रीः न्यूडा इमेन्शन्स इन इण्डियन हिस्ट्री'',08, 09, 10 नवम्बर, 2011, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग,काशी हिन्दू विश्वविद्याल, वाराणसी द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''हिस्टोरिकल एण्ड कल्चरल रूट्स इन दि पुराणाज'', 26-27नवम्बर, 2011, ईश्वर शरण डिग्री कालेज, इलाहाबाद तथा भारतीय इतिहास संकलन समिति द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''कान्सेप्चुअल एफिनिटीज एण्ड डाइवर्जेन्सेज इन दि इवोलुशन ऑफ रिलिजियस आर्किटेक्चर इन एन्शिएन्ट इण्डिया'', 27, 28जनवरी, 2010,प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्यायष्ठ गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''भारतीय इतिहास लेखन की विसंगतियाँ एवं समाधान'', 19 फरवरी, 2013, प्राचीन इतिहास विभाग, महिला पी.जी.कालेज, बस्ती, मुख्यवक्ता।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''संवत्प्रवर्तक विक्रमादित्य'', 20-21सितम्बर, 2013, विक्रमादित्यशोधपीठ, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन तथा स्वराज संचालनालय,मध्य प्रदेश शासन, भोपाल द्वारा भोपाल में आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''नारीः अतीत से वर्तमान'', 25-26 नवम्बर, 2013, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''राजस्थान का इतिहास'', 03-04 जनवरी, 2015, पाली, भारतीय इतिहास संकलन समिति, जोधपुर द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''भारतीय इतिहास लेखन में भारतीय दृष्टि'', 04 जनवरी 2015,भारतीय इतिहास संकलन समिति, चीतौड़ द्वारा आयोजित मुख्यवक्ता।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''भारतीय संस्कृति में पर्यावरण चेतना'', 21-22 फरवरी, 2015,प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''पुराणों में विविध मत-सम्प्रदाय एवं कला और स्थापत्य का इतिहास'', 25-26 फरवरी, 2015, उज्जैन, भारतीय इतिहास संकलन समिति,मालवा, श्री महाकालेश्वर मन्दिर प्रबन्ध समिति, उज्जैन तथा महाराज विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा आयोजित।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''बिहार प्रदेश-एक ऐतिहासिक एवं सास्कृतिक विश्लेषण'',29-30 अगस्त, 2015, महाकवि कालीदास महाविद्यालय, चन्दौना, दरभंगा तथा भारतीय इतिहास संकलन समिति, उत्तर बिहार द्वारा आयोजित।
- एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''भारतीय इतिहास लेखन में समरसता की चुनौतियाँ एवं समाधान'', 05 सितम्बर 2015, एन.आर.ई.सी.कालेज, खुर्जा,बुलन्दशहर, विशेष व्याख्यान।
- एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी,''रायसेन जनपद का इतिहास'', 15 सितम्बर, 2015,डॉ.विष्णु श्रीधर वाकणकर, पुरातत्व शोध संस्थान, मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित, मुख्य वक्तव्य।
- एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी,''इको-टूरिज्म एण्ड इकानॉमी ऑफ मध्य प्रदेश'',13जनवरी, 2016, वीर सॉवरकर शासकीय महाविद्यालय, ओबैदुल्लागंज, भोपाल, मुख्य व्याख्यान।

- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''हस्तिनापुर का इतिहास एवं भारतीय इतिहास लेखन'', 06-07 फरवरी, 2016, मेरठ विश्वविद्यालय, मरेठ, अतिथि व्याख्यान एवं प्रतिभागिता।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में सामाजिक समरसता'', 09-10 जुलाई,2016, इतिहास विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, अतिथि व्याख्यान एवं प्रतिभागिता।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''जैन कला में समन्वय एवं सम्भाव: वर्तमान समाज में इसकी सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रासंगिकता'', 27-29 अगस्त, 2016, पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी, विशेष व्याख्यान एवं प्रतिभागिता।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''भारतीय इतिहास के स्रोत एवं इतिहास लेखन, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना एवं प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग'',15-16 अक्टूबर, 2016, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा कुशीनगर में आयोजित, वर्ष इतिहासकार संगोष्ठी में विशेष व्याख्यान एवं प्रतिभागिता।
- एकादश राष्ट्रीय महाधिवेशन, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, 23-25 दिसम्बर, 2018, गुवाहाटी, विषय: पुरुषार्थ चतुष्ट्य का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य।
- समावेशी संस्कृति कुंभ, उत्तर प्रदेश शासन एवं राजर्षिटण्डन मुक्तविश्वविद्यालय,प्रयागराज का विशिष्ट आयोजन, दिनांक 30.01.2019, प्रयागराज।
- कौटिल्य अर्थशास्त्र एवं उसकी प्रासंगिकता, 16-17 फरवरी, 2019, अर्थशास्त्र विभाग, धर्म समाज महाविद्यालय, अलीगढ़ ।
- वाराणसी: एकशाश्वतनगर: ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में, 14-15 मार्च, 2019,शासकीय महिला महाविद्यालय, डी. एस.डब्ल्यू., वाराणसी।

**( प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा )**

प्रति वर्ष अनेक राष्ट्रीय व अन्तर्राष्टीय संगोष्ठियों में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा विषय प्रवर्तक के रूप में प्रतिभागिता एवं योगदान।